रोल नं. | | | | | | | | | | मुद्रित पृष्ठों की संख्या :

2024–25
अर्थशास्त्र

समयः 3 घण्टे पूर्णांक : 80

(i) इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनो खण्डों के सभी 28 प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii)प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

(iii)प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा समुचित उत्तर दीजिए।

(iv)प्रश्न संख्या 1 तथा 15 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के प्रत्येक खण्ड के उत्तर में चार विकल्प दिये गए हैं। सही विकल्प अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए। प्रश्न संख्या 2 से 4 तथा 16 से 18 तक निश्चित उत्तरीय प्रश्न हैं।

(v)प्रश्न संख्या 5 से 8 तथा 19 से 22 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए।

(vi)प्रश्न संख्या 9 से 11 तथा 23 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 70 शब्दों में दीजिए।

(vii)प्रश्न संख्या 12 से 14 तथा 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 120 शब्दों में दिजिए।

(viii)प्रश्न संख्या 28 केस/स्रोत आधारित प्रश्न है, जिसका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

(ix)इस प्रश्न पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है तथापि कतिपय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया है। ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का ही उत्तर दीजिए।

खण्ड 'अ'

1 (क) क्या होना चाहिए (What ought to be) विषय है। 1

(i) सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण का (ii) आदर्शक आर्थिक विश्लेषण का

(iii) उपर्युक्त दोनों का (iv) उपर्युक्त दोनों नहीं

(ख) कीमत या बजट रेखा का ढाल होता है 1

(i) $-Py/Px$ (ii) $+Px/Py$

(iii) $-Px/Py$ (iv) $+Py/Px$

(ग) कौन सा कथन सही नही है। 1

(i) मांग में विस्तार, कीमत में परिवर्तन के कारण होता है

(ii) गिफिन वस्तुओं के सम्बन्ध में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है

(iii) मांग का नियम एक परिमाणात्मक कथन है

(iv) उत्पत्ति के साधनों की मांग व्युत्पन्न मांग कहलाती है

(घ) यदि किसी वस्तु की कीमत मे 60% की वृद्धि हो परन्तु पूर्ति मात्रा में 40% की ही वृद्धि हो तब वस्तु की पूर्ति लोच होगी 1

(i) अत्यधिक लोचदार (ii) इकाई के बराबर लोचदार

(iii) इकाई से कम लोचदार (iv) पूर्णतः लोचदार

(ङ) निम्न कथनों की विवेचना करें। 1

अभिकथन A : न्यूनतम समर्थन मूल्य उदाहरण है–कीमत निम्नतम सीमा की
कारण R : पूर्ण प्रतियोगी बाजार में फर्म कीमत निर्माता होती है

(i) A तथा R दोनों सही है, तथा R,A की सही व्याख्या करता है।

(ii) A तथा R दोनों सही है, तथा R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iii) A सही है, परन्तु R गलत है।

(iv) A तथा R दोनों गलत हैं।

2– निजी एवं सार्वजनिक सम्पत्ति का सह–अस्तित्व किस अर्थव्यवस्था में पाया जाता है। 1

3– पूरक वस्तु को परिभाषित कीजिए। 1

4– औसत स्थिर लागत (AFC) वक्र कैसा होता है? 1

5– उत्पादन सम्भावना वक्र (PPC) को रेखाचित्र से समझाइए। 2

6– सीमान्त उत्पाद किसे कहते हैं?इसकासूत्र भी लिखिए। 2

7– इकाई से कम लोचदार मांग की कीमत लोच रेखाचित्र से स्पष्ट कीजिए 2

8– किसी वस्तु की पूर्ति में वृद्धि का संतुलन कीमत एवं संतुलन मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?2

9– अनधिमान वक्र को तालिका एवं रेखाचित्र से स्पष्ट कीजिए। 3

10– मांग की कीमत लोच मापने हेतु कुल व्यय रीति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

एक उपभोक्ता दो वस्तुओं का उपभोग करने के लिए इच्छुक है दोनो वस्तुओं की कीमत क्रमशः 4 रूपया तथा 5 रूपया, उपभोक्ता की आय 20 रूपया है, ज्ञात कीजिए।

(i) बजट रेखा के समीकरण को लिखिए

(ii) उपभोक्ता यदि सम्पूर्ण आय वस्तु एक पर ब्यय कर दे तो व उसकी कितनी मात्रा का उपभोग कर सकता है।

11– स्थिर एवं परिवर्तनशील लागत मे अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

12– ह्रासमान या घटती सीमान्त उपयोगिता के नियम को तालिका एवं रेखाचित्र से समझाइऐ 5

13– उत्पत्ति के तीनों नियमों की रेखाचित्रीय ब्याख्या प्रस्तुत कीजिए। 5

14– पूर्ण प्रतियोगी बाजार के अन्तर्गत फर्म के अल्पकालीन संतुलन की शर्तो का वर्णन कीजिए। 5

अथवा

संतुलन कीमत से आप क्या समझते हैं मांग और पूर्ति से यह किस प्रकार प्रभावित होती है।

खण्ड ब

15–(क) प्रवाह के अन्तर्गत निम्न में कौन शामिल है– 1

(i) पूंजी (ii) दूरी

(iii) पूंजी निर्माण (iv) मुद्रा की मात्रा

(ख) साख सृजनकर्ता कहा जाता है– 1

(i) व्यापारिक बैंक (ii) केन्द्रीय बैंक

(iii) दोनों को (iv) दोनों को नही

(ग) बचत में परिवर्तन/आय में परिवर्तन से ज्ञात किया जाता है– 1

(i) सीमान्त बचत प्रवृति (ii) सीमान्त उपभोग प्रवृति

(iii) औसत बचत प्रवृति (iv) औसत उपभोग प्रवृति

(घ) स्फीतिक अन्तराल माप है– 1

(i) आधिक्य मांग की (ii) न्यून मांग की

(iii) पूर्ण संतुलन की (iv) इनमें से कोई नहीं

(ड.) निम्न कथनों की विवेचना कीजिए– 1

अभिकथन A- व्यापार शेष का सम्बन्ध व्यापार की केवल दृश्य मदों से है

कारण (R) भुगतान शेष के पूंजी खाते में समस्त परिसम्पत्तियों अथवा देनदारियों की स्थिति में परिवर्तन होता है

(v) A तथा R दोनों सही है, तथा R,A की सही व्याख्या करता है।

(vi) A तथा R दोनों सही है, तथा R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(vii) A सही है, परन्तु R गलत है।

(viii) A तथा R दोनों गलत हैं।

16– निजी आय से क्या अभिप्रायहै। 1

17–गुणक ज्ञात करने का सूत्र लिखिए। 1

18– वह बजट जिसमें सरकार की अनुमानित आय, अनुमानित व्यय से कम होती है, क्या कहलाता है? 1

19–मुद्रा के प्राथमिक कार्य लिखिए। 2

20–निवेश गुणक एवं सीमान्त उपभोग प्रवृति में सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए। 2

21– राजकोषीय नीति किसे कहते हैं। 2

22– अनुकूल एवं प्रतिकूल विनिमय दर को समझाऐ। 2

23– वास्तविक एवं नकद राष्ट्रीय आय मे अन्तर बताइऐ। 3

24– प्रो० जे०एम० कीन्स के अनुसार मुद्रा की मांग के उद्देश्यों को लिखिए। 3

अथवा

केन्द्रीय बैंक की साख नियंत्रण की कोई तीन मात्रात्मक रीतियों को लिखिए।

25– स्थिर विनियम दर एवं लोचशील विनिमय दर मे अन्तर स्पष्ट कीजिए। 3

26– ब्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र मे अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

राष्ट्रीय आय मापन की आय एवं व्यय विधि का वर्णन कीजिए

27– न्यून मांग किसे कहते हैं। अवस्फीतिक अंतराल को रेखाचित्र से समझाइए। 5

28– निम्न केस स्टडी को ध्यानपूर्वक पढकर निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 5

राजस्व एवं पूंजीगत प्राप्तियॉ सरकार की प्राप्तियों के महत्वपूर्ण स्रोत है। राजस्व प्राप्ति का दावा सरकार से नहीं किया जा सकता है और ये गैर प्रतिदेय है। इसके अन्तर्गत कर एवं कर भिन्न प्राप्तियां शामिल हैं कुछ करों का संग्रह केवल कागजों तक ही सीमित होता है। पूंजीगत प्राप्ति की अदायगी आवश्यक होती है। इन प्राप्तियों हेतु सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों की बिक्री एवं ऋण महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं।

(i) जिन प्राप्तियों से न तो देयता उत्पन्न होती है और न ही परिसम्पति मे कमी होती है कहलाती है।

(ii) कागजी कर किसे कहते हैं?

(iii) बजट प्राप्तियों अंग क्या हैं?

(iv) विनिवेश किसे कहते हैं।

(v) पूंजीगत व्यय का क्या अभिप्राय है?